Literacy for a Billion

Movie: Rudaali
Year: 1993

Song: Dil Hoom Hoom Kare
Lyricist: Gulzar

दिल हुम हुम करे
घबराए
घन धम धम करे
गरजाए

इक बूँद कभी पानी की
मोरी अँखियों से बरसाए
दिल हुम हुम करे
घबराए

तेरी झोरी डारूँ
सब सूखे पात जो आए
तेरा छुआ लागे
मेरी सूखी डार हरियाए

दिल हुम हुम करे
घबराए

जिस तन को छुआ तूने
उस तन को छुपाऊँ
जिस मन को लागे नैना
वो किसको दिखाऊँ
ओ मोरे चंद्रमा
तेरी चांदनी अंग जलाए
तेरी ऊँची अटारी
मैंने पंख लिए कटवाए

दिल हुम हुम करे
घबराए
घन धम धम करे
गरजाए

इक बूँद कभी पानी की
मोरी अँखियों से बरसाए
दिल हुम हुम करे
घबराए

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.